जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

JAWAB DO SARKAR ™

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2021/vg/09 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | सोमवार, 5 जुलाई 2021

क्योंकि चौकीदार ही चोर है!!

रेलवे के कोचो पर विज्ञापन लगाने मे

SPECIAL REPORT

राजस्थान संवाद मे हुआ करोड़ो रुपयों का घोटाला!!!

भाग-9

सियाराम पब्लिसिटी और राजस्थान संवाद का महा घोटाला

इस घोटाले की जांच एसीबी करेगी या सीबीआई?

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

क्या है पूरा मामला?

अक्सर आपके द्वारा रेल द्वारा यात्रा की होगी या फिर पटरियों पर चलती ट्रेनों को देखा होगा|अक्सर इन ट्रेन के डब्बों पर विभिन्न प्रकार के सरकारी और अन्य वाणिज्यिक कंपनियों के विज्ञापन भी देखे होंगे|इस विज्ञापनों को रेलवे द्वारा टेंडरो के माध्यम से जारी किए जाते है|

राजस्थान संवाद से संबन्धित दस्तावेजों के अनुसार इसी प्रकार का एक टेंडर उत्तर पश्चिम रेलवे-जयपुर द्वारा जारी किया गया जिसके तहत ट्रेन संख्या 12968/12967 साप्ताहिक ट्रेन जयपुर-कोटा-नागदा-भोपाल-नागपुर-वारंगल के कोचों मे आंतरिक सतह पर विज्ञापनों का टेंडर सियाराम पब्लिसिटी को दिया गया|राजस्थान संवाद द्वारा यह दावा किया गया कि सियाराम पब्लिसिटी को इस विज्ञापन के प्रकाशन के एकाधिकार दिये गए है|इस कार्य के लिए फर्म द्वारा राज्य सरकार की विकासोन्मुखी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु 24 कोचो पर कुल 6528 वर्ग फिट के विज्ञापन बताते हुए 100 रुपए प्रति वर्ग फिट की गणना करते हुए 652800/- रुपए एवं जीएसटी राशि 117504/- अतिरिक्त बताते हुए कुल 770304/- राशि का भुगतान हेतु बिल प्रस्तुत किया|

सूत्रों के अनुसार राजस्थान संवाद की कार्यकारी निदेशक(वित्त)महोदया को अधिकतम 5 लाख रुपए के बिलो को ही पास करने के अधिकार है|अतः इस बिल को 770304/- की जगह 5 लाख का बताकर पास कर दिया गया|सूत्रों के अनुसार ऐसे 5-5 लाख के भुगतान एक बार नहीं बल्कि सैकड़ो बार किए गए है,जिनके माध्यम से करोड़ों रुपए के घपले सियाराम पब्लिसिटी के कर्ता-धर्ताओं और राजस्थान संवाद के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा किए गए है|

मालिक एक फर्म अनेक

सूत्रों के अनुसार सियाराम पब्लिसिटी और अलिशा एडवर्टाइजिंग दोनों के मालिक एक पूर्व आईएएस के बेटा-बहू है,अपने रसूखातों के चलते इस पूर्व आईएएस द्वारा अपने दोनों बेटा-बहू को राजस्थान संवाद मे पूरी तरीके से सेट किया हुआ है,इसी के चलते इन दोनों फ़र्मों पर ना केवल लाखो करोड़ो रुपयों की मेहरबानी की जाती है बल्कि मोटा कमीशन भी वसूला जाता है|

इन बिलों के भुगतान के लिए अलग खाता और अलग केश रेजिस्टर

सूत्रों के अनुसार इस घपले को गोपनीय रखने के लिए राजस्थान संवाद के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा राजस्थान संवाद का अलग से खाता खुलवाया गया और अलग से केश रजिस्टर संधारित किया गया|जिसका कहीं पर कोई रिकॉर्ड नहीं है|इसी बात से आप अंदाजा लगा सकते है कि इन घोटालेबाजों की हिमाकत कितनी है|

बिना प्रमाणीकरण/सत्यापन और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हुए करोड़ो रुपयों के भुगतान

आपको बता दें कि राजस्थान संवाद के जिम्मेदार अधिकारियों ने इस कंपनी के कर्ता-धर्ताओं से यह पूछने की जहमत नहीं उठाई कि उनके द्वारा राज्य सरकार की किन-किन विकासोन्मुखी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु इन विज्ञापनों पर खर्च किया

गया है,इतना ही नहीं इन बिलों का भुगतान बिना किसी ठोस प्रमाणीकरण/सत्यापन के उन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कर दिया गया जिन्हे केवल कट-कॉपी-पेस्ट करके तैयार किए गए थे|

कमीशनखोरी उजागर होने के डर से कर दी गयी संबन्धित पत्रवालियाँ गायब

सूत्रों के अनुसार यह मामला वित्त विभाग कि नजर मे भी है,जिसके चलते तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव,वित्त श्री निरंजन आर्य द्वारा तत्कालीन प्रमुख शासन सचिव श्री अभय कुमार को कई बार पत्र प्रेषित कर इस मामले और अन्य अनियमितताओं से संबन्धित पत्रावालियाँ तलब की गयी थी लेकिन यहा के बाबूओ का ज़ोर इतना है कि वह वित्त सचिव और विभाग के प्रमुख शासन सचिव के आदेशों को ही नहीं घांटते और फाइलें गायब कर देते है|

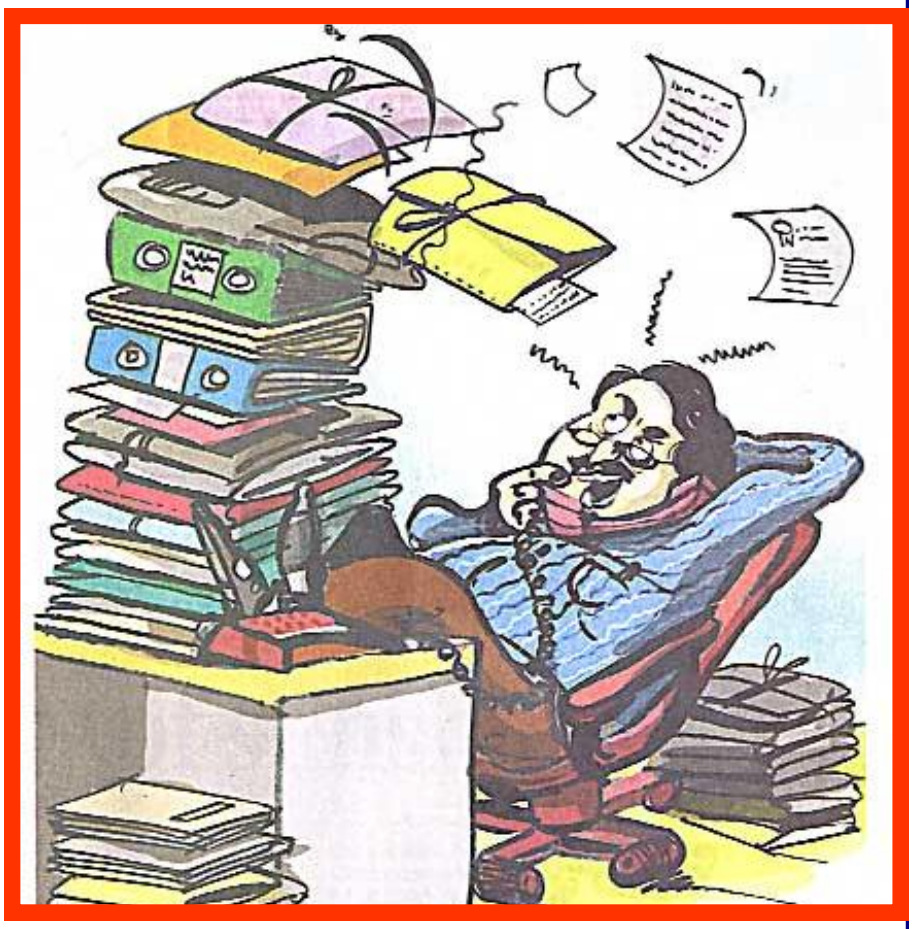

इतना ही नहीं इन पत्रावलियों के गुम हो जाने की भी पत्रावलियाँ चलायी गयी,जिनपर वित्त विभाग द्वारा एफ़आईआर दर्ज करवाने के आदेश दिये,लेकिन राजस्थान संवाद के कर्ता-धर्ता इन आदेशों पर भी मुह मे दही जमाये बैठे हुए है|

कमल वर्मा कई बरसो से कर रहा बिना किसी सरकारी आदेश के राजस्थान संवाद का काम

इन पत्रावलियों पर मुख्यतः कमल वर्मा,रामलाल बुनकर ,रिटायर्ड एकाउंटेंट देवी सिंह अनुपमा शर्मा,महेंद्र सोनी और सुभाष चंद दानोदिया के हस्ताक्षर ,जिनमे से कमल वर्मा बिना किसी कार्यालय आदेश के राजस्थान संवाद का काम देख रहा है|जिन्हे कुछ महीनों पहले इन दोनों कंपनियों के कर्ताधर्ताओं के साथ सपरिवार छुट्टियाँ बिताते हुए भी देखा गया था,इन महाशय की कारगुजारियों की कई शिकायते मुख्यमंत्री कार्यालय मे धूल फांक रही है|वहीं मिलीभगत से किए जाने वाले फर्जी भुगतानों पर रिटायर्ड एकाउंटेंट देवी सिंह के साइन करवाए जाते है|सवाल यह है कि सूचना एवं जन संपर्क विभाग मे सैंकड़ों एकाउंटेंट होने के बावजूद एक रिटायर्ड एकाउंटेंट को इतनी बड़ी ज़िम्मेदारी किसके कहने पर दी गयी है?जिसका सीधा से जवाब यह है कि कोई मामला उजागर होने पर सारा ठीकरा इसके सिर फोड़ा जा सके|सूत्रों के अनुसार तत्कालीन कार्यकारी निदेशक वित्त के विरुद्ध पूर्व मे ही एक 50 लाख रुपए के एक गबन की जांच चल रही है,जिसमे वह सहयोग नहीं कर रही है,उस पर नित नए घोटालों के खुलासे होने से राजस्थान संवाद की कार्यशैली पर सवालिया निशान खड़े हो गए है|

बिना प्रबंध निदेशक के हस्ताक्षरों के चली नोटशीट,नए कार्यकारी निदेशक वित्त और प्रबंध निदेशक ने भी नहीं उठाए कोई सवाल

आपको जानकारी देदें कि सियाराम पब्लिसिटी और अलिशा एडवर्टाइजिंग पर की गयी इन मेहरबानियों पर पूर्व मे प्रबंध निदेशक के हस्ताक्षर नहीं है|ऐसे मे जिस कार्य की स्वीकृति ही सक्षम स्तर द्वारा जारी नहीं की गयी है तो फिर उन कार्यों का भुगतान कैसे कर दिया गया?सियाराम पब्लिसिटी और अलिशा एडवर्टाइजिंग को दिये गए कार्यादेशों के समय कार्यकारी निदेशक वित्त के पद पर श्रीमति अनुपमा शर्मा और प्रबंध निदेशक के पद पर आईएएस नीरज के पवन पदासीन थे|लेकिन भुगतान के समय कार्यकारी निदेशक वित्त के पद पर सुभाष चंद दानोदिया और प्रबंध निदेशक के पद पर महेंद्र सोनी का तबादला हो गया था,उसके बावजूद इन दोनों ने इन दोनों फ़र्मों के कार्यादेशों पर सवाल नहीं उठाए और आँख बंद करके जितना चाहा उतना भुगतान कर दिया|

कार्य एवं उत्तरदायित्व

3.1 प्रबंध निदेशक– आयुक्त एवं शासन सचिव सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, को संस्था का पदेन प्रबन्ध निदेशक बनाया गया है जो संस्था के कार्य संचालन में उच्चतम शीर्ष पर है।

कार्य एवं उत्तरदायित्व :– प्रचार–प्रसार कार्य मे एकरूपता को बनाए रखने की दृष्टि से विज्ञापन एवं अन्य प्रचार–प्रसार सामग्री तैयार कराने, अनुमोदित करने, जारी करने, वाणिज्यिक दरों का निर्धारण करने, समाचार पत्र–पत्रिकाओं का प्रकाशन, इलेक्ट्रोनिक मीडिया के चैनल्स एवं अन्य प्रचार–प्रसार के माध्यमों का आंकलन। मुख्य रूप से प्रबन्ध निदेशक के कार्य निम्न लिखित हैं:–

1. विज्ञापन एवं मीडिया कार्य हेतु एजेन्सी/एजेन्सीज/कन्सलटेंट के चयन प्रक्रिया में निर्णय प्रबन्ध निदेशक के स्तर पर लिया जाएगा।
2. प्रत्येक विज्ञापन एवं अन्य प्रचार–प्रसार सामग्री पर प्रबन्ध निदेशक का अनुमोदन अनिवार्य है।
3. वाणिज्यिक दरों का निर्धारण प्रबन्ध निदेशक द्वारा किया जाएगा।
4. राजस्थान संवाद द्वारा विज्ञापन एवं प्रचार–प्रसार के कार्यों से संबधित विभिन्न भुगतान प्रबन्ध निदेशक के अनुमोदन उपरान्त किए जाएंगे।
5. राजस्थान संवाद के वार्षिक बजट को अनुमोदित करना।
6. प्रचार–प्रसार एवं मीडिया संबधी नए कार्यों का प्रारंभ एवं आवश्यक सेवाओं का अनुमोदन करना।
7. प्रबन्धक राजस्थान संवाद, जिला प्रबन्धक एवं वरिष्ठ प्रबन्धक समस्त विज्ञापन/मीडिया एवं राजस्थान संवाद द्वारा की जा रही प्रचार–प्रसार की अन्य गतिविधियों संबंधी कार्य प्रबन्धक निदेशक के निर्देशानुसार ही करेंगे।

जवाब मांगते सवाल?

1. कौन है अलिशा एडवर्टाइजिंग और सियाराम पब्लिसिटी के मालिक?
2. जब राजस्थान संवाद के प्रबंध निदेशक तक फाइल ही नहीं पहुची तो उसके बावजूद कैसे अलिशा एडवर्टाइजिंग और सियाराम पब्लिसिटी को लाखो करोड़ो रुपयों के भुगतान कर दिये गए?
3. नोटशीट के अनुसार रेलवे द्वारा जारी निविदा Display of Advertisements Space on **Interior** Surface Vinyl Wrapping on the Coaches of Train No. 12968 12967 (JP MAS JP) Weekly Train Jaipur-Kota-Nagda-Bhopal -Nagpur -Warangal के कार्यादेश सियाराम पब्लिसिटी के पास बताए गए है,जिसका सीधा मतलब है कि ट्रेन के कोचो के अंदर के भाग पर विज्ञापनो के लिए सियाराम पब्लिसिटी को अधिकृत किया गया था लेकिन राजस्थान संवाद के कर्ताधर्ताओं द्वारा “The total area of displaying commercial advertisement on **exterior**

of the coaches are 6528 sq. ft" बताकर ट्रेन के कोचो के बाहरी भाग पर विज्ञापन बता कर कैसे भुगतान किया गया? *आखिर क्या है यह Interior ओर Exterior का चक्कर?*

4. आमतौर पर 15 रुपए प्रति वर्ग फिट के भाव से लगने वाले विनायल रेपिंग के लिए 100 रुपए प्रति वर्ग फिट के हिसाब से क्यूँ भुगतान किया गया?
5. राज्य सरकार की किन विकासोन्मुखी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु राजस्थान संवाद द्वारा सियाराम पब्लिसिटी को रेलवे के कोचो पर विज्ञापन दिये गए थे?
6. आखिर किन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा सियाराम पब्लिसिटी के कार्यों का सत्यापन किया गया?
7. सियाराम पब्लिसिटी द्वारा रेलवे के किन कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर राजस्थान संवाद से साँठ-गांठ कर फर्जी भुगतान उठाए गए?
8. आखिर अलिशा एडवर्टाइजिंग और सियाराम पब्लिसिटी को भुगतान करने के लिए अलग से बैंक अकाउंट और केश रजिस्टर क्यूँ खोले गए?
9. आखिर क्या है वह 50 लाख रुपए के गबन का मामला,जिसमे तत्कालीन कार्यकारी निदेशक(वित्त)श्रीमति अनुपमा शर्मा के विरुद्ध जांच चल रही है?
10. आखिर कमल वर्मा किसकी स्वीकृति से राजस्थान संवाद का मामला संभाल रहा है?
11. कौन है वह अधिकारी जो उल्टे सीधे मामलों के भुगतान के लिए रिटायर्ड अकाउंटेंट देवी सिंह पर ज्यादा भरोसा करता है?
12. उपलब्ध नोटशीट के अनुसार जून 2020 तक तो सियाराम पब्लिसिटी को भुगतान नहीं किया गया था,उस समय कोरोना के कारण रेल यात्रा बंद थी,उसके बावजूद इस दरमियान राजस्थान संवाद के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा लाखो करोड़ो के भुगतान सियाराम पब्लिसिटी को क्यूँ किए गए?
13. आखिर किस बैंक मे खोला गया था अलिशा एडवर्टाइजिंग और सियाराम पब्लिसिटी को भुगतान करने के लिए अकाउंट?
14. भुगतान के समय कार्यकारी निदेशक वित्त के पद पर नियुक्त सुभाष चंद दानोदिया और प्रबंध निदेशक के पद पर नियुक्त महेंद्र सोनी द्वारा फ़र्मों के कार्यादेशों पर सवाल क्यूँ नहीं उठाए गए और आँख बंद करके जितना चाहा उतना भुगतान कर दिया?
15. इस घोटाले की जांच एसीबी करेगी या फिर सीबीआई?

खुली निविदा सूचना

संख्या – जी-11/VIII/2015/विनाईल रैपिंग दिनांक 11-07-2016

1.	कार्य का नाम एवं लोकेशन	**Letting out advertisement space on exterior surface through vinyl wrapping on the coaches of various Mail/Express & passenger trains with sole advertising rights under Two-packet system.**
2.	कार्य का अनुमानित मूल्य – निम्नानुसार	

Cls No.	Train No.	No. Of rakes	Estimated value per rake for 3 years	Tender form cost	EMD to be submitted by tenderer
1.	12940/12939	1	Rs.37,76,817/-	₹ 3,000/-	₹ 75,540/-
2.	12968/12967 12970/12969	2	Rs.43,90,083/-	₹ 5,000/-	₹ 87,810/- Per rake
3.	12976/12975 19713/19714	2	Rs.43,90,083/-	₹ 5,000/-	₹ 87,810/- Per rake
4.	59705/59706, 59707/08/09/10/31/32/33/34 & 59711/59712	3	Rs.17,81,391/-	₹ 5,000/-	₹ 35,630/- Per rake
5.	59714/59713 & 59715/16/17/18/19/20 & 59727/ 59728 ,59729/59730	4	Rs.19,54,761/-	₹ 5,000/-	₹ 39,100/- Per rake
6.	19708/19707	3	Rs.43,81,950	₹ 5,000/-	₹ 87,639/- per rake

3.	जमा की जाने वाली बयाना राशि	उपरोक्तानुसार
4.	निविदा प्रस्तुत करने की एवम् निविदा खोलने की तिथि व समय	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समयः–19/08/16 को 15.00 बजे तक निविदा खोलने की तिथि व समयः– 19/08/16 को 15.15 बजे
5.	वेबसाईट का विवरण एवं सूचना पटट् की स्थिति जहॉ निविदा की सम्पूर्ण जानकारी इत्यादि देखी जा सकती है तथा कार्यालय का पता जहॉ से निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता हैं	वेबसाईट - **www.nwr.indianrailways.gov.in** सूचना पटट् की स्थिति तथा कार्यालय का पता–**वाणिज्य शाखा , मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय , पॉवर हाउस रोड, जयपुर**

उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा जारी वर्ष 2016 के लिए जारी किया गया टेंडर|

मण्डल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)
उत्तर पश्चिम रेलवे–जयपुर
भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से।

राजस्थान संवाद
कार्यालय टिप्पणी

86 मैसर्स अलीशा एडवरटाइजिंग, बी-51, खादी कॉलोनी, बजाज नगर, जयपुर से प्राप्त पत्र दिनांक 29.11.2019 का सी/79 पर कृपया अवलोकन फरमावें। उक्त पत्र में कम्प्यूटराईज्ड बस टिकटों के पृष्ठ भाग पर विज्ञापन प्रकाशित करने के संबंध में उल्लेख किया गया है। उक्त के संबंध में फर्म द्वारा राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम जयपुर द्वारा जारी किया गया अधिकार पत्र क्रमांक एफ. 4/मु0/वित्त/टि.भ./2019/760 दिनांक 03.09.2019 सी/80 भी संलग्न किया गया है। जिसमें राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम जयपुर द्वारा मैसर्स अलीशा एडवरटाइजिंग जयपुर को कम्प्यूटर टिकटों के पृष्ठ भाग के लिये विज्ञापन एकत्रित करने के लिये दिनांक 28.08.2019 से 27.08.2020 तक (एक वर्ष) अधिकृत किया गया है।

87 इस संबंध में निवेदन है कि राजस्थान संवाद द्वारा पूर्व में जारी आदेश क्रमांक 479 दिनांक 16.10.2019 द्वारा राजस्थान रोडवेज के कम्प्यूटराईज बस टिकटों के पृष्ठ भाग पर जन कल्याणकारी योजनाओं एवं सामाजिक संदेश से संबंधित विज्ञापन प्रसार हेतु 50 लाख टिकट के मुद्रण हेतु आदेश प्रदान किये गये थे।

अतः प्राप्त पत्र अवलोकनार्थ एवं अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रस्तुत है।

21/01/2020
वरिष्ठ कार्यकारी

सहायक लेखाधिकारी

88

89 कार्यकारी निदेशक (वित्त) अवलोका नियमानुसार हो निर्णयार्थ प्रस्तुत है

MD(R-S)

बिना एमडी के हस्ताक्षर चली अलिशा एडवर्टाइजिंग की पत्रावली

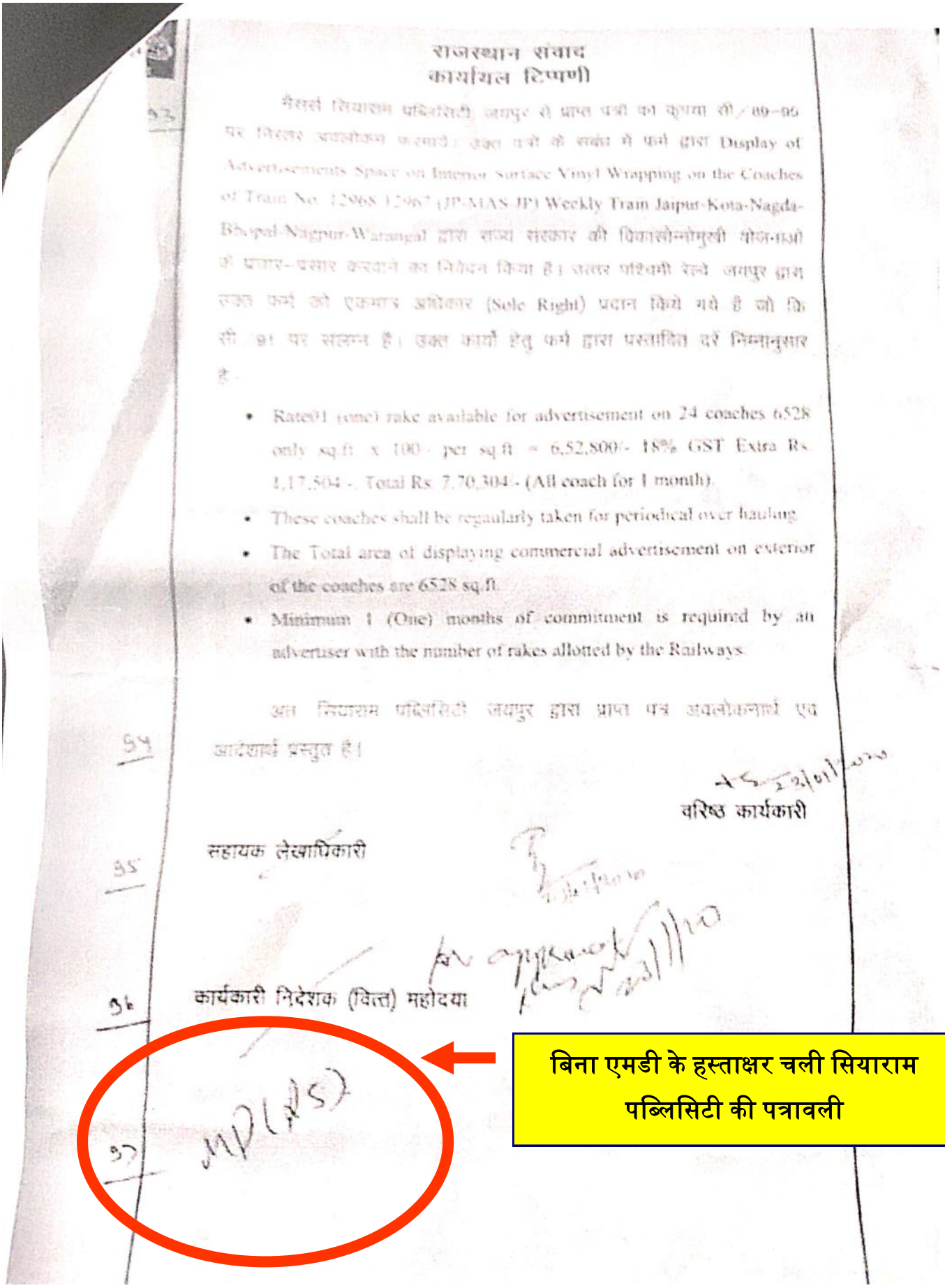

राजस्थान संवाद
कार्यालय टिप्पणी

93 मैसर्स सियाराम पब्लिसिटी, जयपुर से प्राप्त पत्रों का कृपया सी/89-96 पर विस्तार अवलोकन करावें। उक्त पत्रों के संबंध में फर्म द्वारा Display of Advertisements Space on Interior Surface Vinyl Wrapping on the Coaches of Train No. 12968/12967 (JP-MAS-JP) Weekly Train Jaipur-Kota-Nagda-Bhopal-Nagpur-Warangal द्वारा राज्य सरकार की विकासोन्मुखी योजनाओं के प्रचार-प्रसार करवाने का निवेदन किया है। उत्तर पश्चिमी रेल्वे, जयपुर द्वारा उक्त फर्म को एकमात्र अधिकार (Sole Right) प्रदान किये गये हैं जो कि सी/91 पर संलग्न है। उक्त कार्यों हेतु फर्म द्वारा प्रस्तावित दरें निम्नानुसार है-

- Rate01 (one) rake available for advertisement on 24 coaches 6528 only sq.ft. x 100/- per sq.ft = 6,52,800/- 18% GST Extra Rs 1,17,504/-, Total Rs. 7,70,304/- (All coach for 1 month).
- These coaches shall be regaularly taken for periodical over hauling.
- The Total area of displaying commercial advertisement on exterior of the coaches are 6528 sq.ft.
- Minimum 1 (One) months of commitment is required by an advertiser with the number of rakes allotted by the Railways.

अतः सियाराम पब्लिसिटी, जयपुर द्वारा प्राप्त पत्र अवलोकनार्थ एवं

94 आदेशार्थ प्रस्तुत है।

वरिष्ठ कार्यकारी

95 सहायक लेखाधिकारी

for approval

96 कार्यकारी निदेशक (वित्त) महोदया

97 MD (RS)

बिना एमडी के हस्ताक्षर चली सियाराम पब्लिसिटी की पत्रावली